



- 636 Ἀβέστ Ζεὺς.
- 639 οἴας] MS. οἴα.
- 641 ἐπεξιακχάσας] MS. ἐπαγξια-
καγχάσας.
- 646 γᾶς] MS. γῆς.
- 650 τευχῆσῃν] MS. τευχισόν.
- 652 Φησὶν] MS. Φασίν.
- 655 ἐσὶ] MS. εἰσὶ.
- 657 τᾶδε] MS. τᾶνδε.
- 660 ἀμόν] MS. ἔμόν.
- 661 δῆ] MS. δέ.
- 665 τᾶπίσημ' ὅποι] MS. τᾶπίσημ'
ὅπη.
- 667 τύφῳ] MS. φοίτῳ, haud male.
Est vero φοῖτος, interprete He-
sychio, μανία, λύσσα. ib. τὴν
ἑδραίαν μανίαν φοῖτον ἔλεγον, τᾶ-
τέσι τὸν μεθ' ὀρμῆς μεμνηότα.
- 675 συμπαρασατεῖν] MS. νῦν πα-
ρασατεῖν.
- 682 αἰχμῆν] MS. αἰχμῆς.
- 688 γῆρας] Eadem lectio quoque
inter lineas MS, exstat, sed in ipso
textu est πέρας, quod, ni fallor,
est scholion vulgati.
- 690 γὰρ κέρδος] MS. κέρδος γὰρ.
- 692 θυμοπληθῆς] MS. θυμοπληθὺς.
- 703 πρότερον ὑπέρξ μόρξ] MS. προ-
τέρας ὑπέρξ.
- 711 παρέσακεν] MS. παρέσηκεν.
- 714 Post hunc versum sequitur in
MS. versus, sed vncis inclusus,
Εἰς ζέσιν τὸν ἔμόν θυμόν ἐξήγειρ'
ἑκατέρω.
- 719 ὧν ἀνή τις] MS. ὧν ἀνυτίς.
- 726 πέφρικα τὰν ὠλεσίοικον] MS.
πέφριζα τὰν ἔλεσίοικου.
- 727 Post hunc versum additur ἄ γὰρ
νύκτωρ παρεκελεύετο καὶ γέγονε.
- 732 τὰδ'] MS. ἄδ'.
- 733 κλήρου] MS. κλήροις, et scholion
interlineare dativum repetit ab el-
lipsi τῶ ἐν.
- 736 Ἀβέστ πικρὸς in MS.
- 738 ὀπόσαν ἄν καὶ] MS. ὀπόσ' ἄν
καὶ.
- 740 αὐτοκτόνως] MS. αὐτοὶ κτά-
νωσι.
- 743 φοίνιον] MS. φόνιον.
- 754 θνάσκοντα] MS. θνήσκοντα.
- 756 ἀβελία] MS. ἀβελία.
- 759 μητρὸς ἀγνάν] MS. μὴ πρὸς
ἀγνάν.
- 766 τρίχαλον] MS. τροχαλόν.
- 772 τέλεια] MS. τέλειαι.
- 787 καρδία] MS. καρδία.
- 799 δέλειον] MS. δέλιον.
- 804 MS. exhibet ἐφραζάμεθα μονο-
μάχοισι.
- 805 πλεῖς' ἐν ἐξ] MS. πλεῖσα ἐξ.
- 809 παρόν] MS. πλέον, sed a manu
recentiori supra scripta est varians
lectio παρῶν.
- 810 βασιλέες] MS. βασιλεῖς.
- 815 Pro μὴν est νῦν in MS.
- 820 Hic versus, qui legitur τοιαῦτα
χαίρειν κακὰ καὶ δακρύσασθαι
πάρα, et sequentes vsque ad φο-
ρέμενοι tribuuntur in MS. Choro.